Exam. Code: 0009
Sub. Code: 0702

1128

B.A./B.Sc. (Hons.)-5th Semester

Paper-III: Sanskrit

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोटः— किसी भी प्रश्न के उत्तर—भागों का उत्तर नैरन्तर्य से लिखें। शुद्ध भाषा का प्रयोग करें।

-*-*-*-

१. अधोलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करें:—

(क) काव्यस्य शब्दार्थौ शरीरम्, रसादिश्चात्मा, गुणाः शौर्यादिवत्:, दोषाः काणत्वादिवत्, रीतयोऽवयवसंस्थान—विशेषवत्, अलंकाराः कटककुण्डला—दिवत्।

(ख) शरदिन्दुसुन्दररुचिश्चेतसि सा में गिरां देवी। अपहृत्य तमः सन्ततमर्थानखिलान्प्रकाशयतु।।

(ग) दोषास्तस्यापकर्षकाः।

(घ) कटुकौषधोपशमनीयस्य रोगस्य सितशर्करोपशमनीयत्वे कस्य वा रोगिणः सितशर्कराप्रवृत्तिः साधीयसी न स्यात्? (२×१०)

२. अधोलिखित में से किन्हीं दो काव्य—लक्षणों की विस्तृत विवेचना करें:—

(क) वाक्यं रसात्मकं काव्यं

(ख) काव्यस्यात्मा ध्वनिः

(ग) तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः कापि

(घ) रीतिरात्मा काव्यस्य। (२×१०)

३. (क) अधोलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों का सोदाहरण अर्थ करें:—

(१) ध्रुवमपायेऽपादानम्

(२) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्।

(३) प्रातिपदिकार्थ—लिङ्—परिमाण—वचन—मात्रे प्रथमा।

(४) कर्मणि द्वितीयज्ञं (३+३)

(ख) अधोलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों के रेखाकिंत पदों की सूत्रनिर्देशपूर्वक विभक्ति स्पष्ट करें:—

(१) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

(२) शतं जयति देवदत्तम्।

(३) स्थाल्यां पचति।

(४) विप्राय गां ददाति।

(५) देवदत्तः ओदनं पचति।

(६) दैत्येभ्यो हरिः अलम्। (३+३+३)

P.T.O.

४. (क) अधोलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों का सोदाहरण अर्थ स्पष्ट करें:—

(१) वयसि प्रथमे।

(२) यूनस्तिः।

(३) अजाद्यतष्टाप्।

(४) ऊङ्. उतः। (३+३)

(ख) अधोलिखित में से किन्हीं तीन शब्दों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि करें:—

पङ्.गः, गोपी, सर्विका, दाक्षी, सौपर्णेयी, रुद्राणी। (३+३+३)

५. अधोलिखित में से किन्हीं एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखें:—

(क) संस्कृत—भाषा

(ख) वेदानां महत्वम्। (२०)

-*-*-*-